वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 221 शनिवार 9 दिसम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर में पतंगबाजी करने वालों की मौज

कलेक्टर ने 15 जनवरी को की सार्वजनिक छुट्टी; अब दो दिन हो सकेगी पतंगबाजी

जयपुर. कासं। जयपुर में अगले महीने मकर संक्रांति है। इस बार लोगों को पतंगबाजी करने का मजा दो गुना हो जाएगा। क्योंकि कलेक्टर ने इस बार अपने अधिकारों का उपयोग करते हुए जयपुर शहर में 15 जनवरी को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। इसके साथ ही कलेक्टर ने 1 अप्रैल को भी शीतला अष्टमी का अवकाश घोषित किया है। खास बात ये है कि मकर संक्रांति जयपुर में अमूमन 14 जनवरी को मनाई जाती है, लेकिन तिथियों के अनुसार इस बार मकर संक्राति 15 जनवरी को आ रही है, जिसके चलते लोगों को इस बार लगातार दो दिन पतंगबाजी करने का मौका मिलेगा। 14 जनवरी को रविवार है, जबकि 15 जनवरी को सोमवार रहेगा, इस दिन लोग दान-पुण्य कर सकेंगे। इसी तरह कलेक्टर ने 1 अप्रैल को शीतला अष्टमी पर भी स्थानीय अवकाश घोषित किया है। इस दिन चाकसू में बड़ा मेला लगता है, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोग माता के दर्शन करने चाकसू स्थित मंदिर जाते है।

माउंट आबू में तापमान 0 डिग्री

पेड़-पौधों पर ओस की बूंदें जमीं; अजमेर-जोधपुर में सीजन का सबसे कम पारा

जयपुर. कासं। राजस्थान में सर्दी का उतार-चढ़ाव जारी है। हिल स्टेशन माउंट आबू में आज फिर से बर्फ जमा देने वाली सर्दी रही। अजमेर, जोधपुर में सीजन का सबसे कम तापमान दर्ज हुआ। इधर,

जोधपुर, जालोर, पाली, भरतपुर में सुबह कोहरा रहा, लेकिन दिन चढ़ने के साथ मौसम साफ हो गया। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि प्रदेश में अगले 4-5 दिन तापमान में इसी तरह का उतार-चढ़ाव जारी रहेगा। राज्य के चूरू, गंगानगर, सीकर, फतेहपुर, पिलानी में भी रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया। चूरू में न्यूनतम तापमान गिरकर 6.6 पर आ गया, जो गुरुवार (7 दिसंबर) से भी कम रहा। सीकर के फतेहपुर में तापमान में आज मामूली गिरावट हुई। झुंझुनूं के पिलानी में तापमान 8, सीकर शहर में 6 और बीकानेर में 11.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

जयपुर में बार एसोसिएशन के चुनाव

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन में 87.38 प्रतिशत मतदान हुआ; सीसीटीवी से हुई निगरानी

जयपुर. कासं

सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के वन बार वन वोट के निर्देश पर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर, दी बार एसोसिएशन जयपुर, दी डिस्ट्रिक्ट एडवोकेट्स बार एसोसिएशन जयपुर व सांगानेर बार एसोसिएशन सहित अन्य बार एसोसिएशन के 2023-24 के वार्षिक चुनाव शुक्रवार को हुए। इस दौरान जयपुर में हाईकोर्ट बार एसोसिएशन में 87.38 प्रतिशत मतदान हुआ। यहां 4,072 अधिवक्ताओं ने मतदान किया। हाईकोर्ट बार में कुल 4,660 वोटर थे। वहीं, सेशन कोर्ट की दी बार एसोसिएशन जयपुर में 82.75 प्रतिशत मतदान हुआ। यहां 5,473 अधिवक्ताओं में से 4,529 अधिवक्ताओं ने मतदान किया। यहां एक टैंडर वोट भी पड़ा। दोनों बार में शनिवार सुबह 10 बजे से काउंटिंग होगी। जयपुर की कलेक्ट्री बार (दी डिस्ट्रिक एडवोकेट बार एसोसिएशन जयपुर) में मतदान प्रतिशत 89.92 प्रतिशत रहा। यहां 1268 अधिवक्ताओं ने मतदान किया। यहां कुल वोटर 1410 थे। इसी तरह से सांगानेर एडवोकेट्स बार में मतदान प्रतिशत सबसे ज्यादा 97.75 प्रतिशत रहा। यहां कुल 356 वोटर्स में से 348 वोटर ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं जयपुर की चाकसू बार में निर्विरोध चुनाव सम्पन्न हुए। यहां एनएल शर्मा को अध्यक्ष, दुर्गा प्रसाद बैरवा को महासचिव और अधिवक्ता मुकेश मामोड़िया को उपाध्यक्ष चुना गया।

निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए

इस दौरान चुनावों पर निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसके जरिए वोटिंग लाइव दिखाई गई। इसके अलावा हाईकोर्ट बार चुनाव के लिए 225 व दी बार एसोसिएशन चुनाव के लिए 150 की चुनाव टीम बनाई गई थी। इस टीम ने बूथ से लेकर बैलेट बॉक्स तक मतदान प्रक्रिया पर निगरानी रखी। दी बार एसोसिएशन जयपुर चुनाव 2023-24 की संचालन समिति के अधिकारी योगेन्द्र सिंह

तंवर, वीरेन्द्र कुमार यादव व दिलीप सिंह सिहाग ने बताया कि बार एसोसिएशन चुनाव में 5473 मतदाता ने मतदान किया। मतदान शाम पांच बजे पूरा हुआ। दी बार एसोसिएशन चुनाव में अध्यक्ष पद पर आठ प्रत्याशी संदीप लुहाड़िया, पवन शर्मा, भूपेन्द्र भारद्वाज, सोमेश शर्मा, लोकेश शर्मा, राजेन्द्र शर्मा डांगरवाडा, विजय सिंह पूनिया व सुरेन्द्र सिंह राजावत चुनाव मैदान में हैं, जबकि महासचिव पद पर 9 प्रत्याशी राजकुमार शर्मा, मनीष गगरानी, पंकज शर्मा पचलंगिया, विक्रम सिंह परिहार, अर्जुन राजपुरोहित, कुल भूषण गौड़, सुनील गुप्ता, रेखा कच्छावा व पुष्पेन्द्र कुमार भारद्वाज चुनावी मैदान में हैं। उपाध्यक्ष पद पर चन्द्र शेखर कच्छावा, लक्ष्मी शर्मा, मनोज शर्मा, मोहनलाल बैरवा, नरेश कुमार सैन, रमेश चन्द्र शर्मा, रवींद्र कुमार शर्मा व वंदना मथुरिया गुप्ता चुनाव मैदान में है। दी डिस्ट्रिक्ट एडवोकेट्स बार एसोसिएशन जयपुर के चुनाव संचालन अधिकारी अनिल चतुर्वेदी ने बताया कि डिस्ट्रिक्ट एडवोकेट्स बार चुनाव में अध्यक्ष पद पर दो प्रत्याशी गजराज सिंह राजावत व सुनील शर्मा मैदान में हैं। महासचिव के पद पर भी दो प्रत्याशी अखिलेश कुमार जोशी व नरेन्द्र सिंह राजावत चुनाव लड़ रहे हैं। सांगानेर बार एसोसिएशन चुनाव में अध्यक्ष पद पर तीन प्रत्याशी टीकम चंद शर्मा, हंसराज भहरवाल व कैलाश शर्मा चुनाव व महासचिव के पद पर भी तीन प्रत्याशी हैं। इसके अलावा जेडीए बार एसोसिएशन के मुख्य चुनाव अधिकारी शीशराम ने बताया कि कार्यकारिणी के द्विवार्षिक चुनाव में अध्यक्ष पद पर हनुमान शर्मा, चंद्रशेखर शर्मा, डॉ.जसविंदर नारंग, डॉ.नागेंद्र सिंह, महासचिव पद के लिए जितेंद्र शर्मा, यादराम मोर्य, चंद्रहास सिंह व उपाध्यक्ष के लिए राजेश बिश्नोई, विजय सोनी, अनिल विजयवर्गीय, कोषाध्यक्ष के लिए संजय कुमार बोयला व रविकुमार बैरवा चुनाव मैदान में है।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर में अध्यक्ष पद पर 5 व महासचिव पद पर 8 प्रत्याशी

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर चुनाव संचालन अधिकारी मणीन्द्र कुमार कौशिक, हरेन्द्र सिंह सिनसिनवार व राजेन्द्र सिंह तंवर ने बताया- हाईकोर्ट बार एसोसिएशन चुनाव में अध्यक्ष पद पर पांच, महासचिव पद पर आठ व उपाध्यक्ष पद पर पांच प्रत्याशी मैदान में हैं। अध्यक्ष पद पर प्रहलाद शर्मा, महेन्द्र शांडिल्य, ऋषिराज राठौड़, इन्द्रेश शर्मा व राजीव कुमार सोगरवाल चुनाव मैदान में हैं। महासचिव पद पर आठ प्रत्याशी डॉ.संजय खेदड़, सुशील पुजारी, धर्मेन्द्र जैन, रोहित शर्मा, अंकित सेठी, रमित पारीक, सुनील जाखड़ व डॉ.रामरूप मीना चुनावी मैदान में हैं। उपाध्यक्ष पद पर पांच प्रत्याशी निखिलेश कटारा, अशोक कुमार यादव, बाबूलाल शर्मा, सुनील कुमार शर्मा व संदीप कुमार मीना चुनाव मैदान में हैं। वहीं, संयुक्त सचिव पद पर सौरभ दुबे, शेखर शशांक पचौरी, चित्रांक शर्मा, कुलदीप शर्मा व कोषाध्यक्ष के पद पर प्रीति शर्मा व योगेश टेलर चुनाव लड़ रहे हैं।

अरिजीत सिंह का नवीनतम प्रेम गीत, "दिल हारेया" भर रहा है करोड़ों दिलों में दीवानगी के रंग

शाबाश इंडिया

कोमल भावनाओं से ओतप्रोत इस गीत में नजर आएंगे तान्या मानिकतला और दानेश रजवी जिनकी जादुई प्रेम कहानी किसी भी दूरी और रुकावट से परे जॉर्जिया के सुन्दर शहरों में पनपती है, 2011 में अरिजीत सिंह ने अपने संगीतमय सफर की शुरूआत की और फिर राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के साथ साथ, उन्होंने सात फिल्मफेयर सम्मान भी जीते. आज वे एक पूरी पीढ़ी के दिल की आवाज बन गए हैं। उनकी भावपूर्ण और गहन आवाज दर्शकों के दिलों पर राज करने में कभी असफल नहीं होती है और अब उनका नवीनतम सिंगल 'दिल हारेया' एक बार फिर से सनसनी पैदा करने के लिए तैयार है। जॉर्जिया के खूबसूरत शहरों में फिल्माए गए इस गाने में तान्या मानिकतला और दानेश रजवी शामिल हैं, जो विक्रम सेठ के उपन्यास 'ए सूटेबल बॉय' के ओटीटी रूपांतरण में पहली बार एक साथ नजर आये थे । 'दिल हारेया' में, दोनों एक बार फिर एक जटिल प्रेम कहानी के प्रवाह में बहते दिखाई देते हैं और उनके बीच उन्हें विभाजित करने वाली एक भौगोलिक और सांस्कृतिक बाधा है जिसे शायद उनकी शिद्दत पार कर पाए। तान्या जिन्हें हाल ही में ओटीटी सीरीज 'पीआई मीना' में देखा गया था, कहती हैं, ''अरिजीत का ये गीत हर दिल में समा जाने की क्षमता रखता है क्योंकि कुछ ही पलों में ये देखने और सुनने वालों को एक समृद्ध भावनात्मक यात्रा पर ले जाता है जहाँ प्यार, जुदाई और फिर मिलने की उम्मीद मौजूद है. प्यार के जादू से प्रेरित इस कहानी में दानेश के साथ दोबारा काम करना भी बहुत अच्छा लगा। ये गीत यही जताता है की प्यार कोई बाधा नहीं जानता और अपना रास्ता खोज ही लेता है।'' दानेश कहते हैं, ''वीडियो को बहुत ही शानदार तरीके से शूट किया गया है, और फिर भी इसमें एक मासूमियत है। संगीत और गीत के शब्दों के साथ-साथ अरिजीत की आवाज इसे एक अलग स्तर पर ले जाती है। तान्या के साथ फिर से जुड़ना और 'दिल हारेया' का हिस्सा बनना भी मेरे लिए बेहद खुशी की बात थी। वीडियो के अंत में एक छोटा सा मोड़ बहुत हृदयस्पर्शी है और यह दर्शाता है कि सच्चा प्यार, जैसा कि तान्या ने कहा, हमेशा निर्बाध रूप से बहने का रास्ता खोज लेता हैं ।'' 'दिल हारेया' के बोल जूनो ने लिखे हैं और संगीत विवियन रिचर्ड का है। 7 दिसंबर से सभी ऑडियो स्ट्रीमिंग और सोशल प्लेटफॉर्म पर आप इस सारेगामा द्वारा निर्मित गीत को सुन सकते हैं ।

सूर्यदेव का अनादर बिल्कुल नहीं होना चाहिए: स्वामी श्रीनारायणानंद

निम्फ अकादमी में आध्यात्मिक सत्संग संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

वैशाली नगर, गांधीपथ स्थित निम्फ अकादमी में शुक्रवार को एक दिवसीय आध्यात्मिक सत्संग का आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में अनंत श्री विभूषित काशीधर्म पीठाधीश्वर जगदुरु शंकराचार्य स्वामी श्रीनारायणानंद तीर्थ महाराज ने सत्संग के दौरान श्रद्धालुओं को अलौकिक प्रवचन दे अनुग्रहित किया। कार्यक्रम संयोजक संयोजक एम.पी. सिंह और देवेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि सूर्य भगवान प्रकट हो गए, उदय होकर हमारे दरवाजे तक आ गए और हम अभीतक सो ही रहे हैं तो ये उनका अनादर हुआ। सूर्य नारायण जो हमें बल देते हैं, प्रकाश देते हैं, हमारे जीवन में प्रकाश भरते हैं इसलिए उनका अनादर बिल्कुल नहीं होना चाहिए। इसलिए हमें सूर्योदय से पहले उठने की आदत डालनी चाहिए। महाराज ने कहा कि दूसरी बात है भोजन। हमें रोग को बढ़ानेवाला भोजन नहीं करना है। आजकल फास्टफूड का चलन बहुत बढ़ता जा रहा है और युवा पीढ़ी का पसंदीदा भोजन बन चुका है। जबकि फास्टफूड खाने से शरीर में अनकों बीमारियां पैदा हो जाती है। इसलिए हमें फास्टफूड से दूरी बनानी है। जो बच्चे इस देश के कर्णधार हैं उन्हें स्वस्थ रहना है। सनातन धर्म पर बोलते हुए महाराज ने कहा कि सनातन धर्म विरोधाभाषी नहीं है। सनातन धर्म के सत्य को जन्म देने वाले अलग-अलग काल में अनेक ऋषि हुए हैं। इन ऋषियों को द्रष्टा कहा जाता है। अर्थात जिन्होंने सत्य को जैसा देखा वैसा कहा। इसीलिए सभी ऋषियों की बातों में एकरूपता दिखती है। जो लोग इन ऋषियों की बातों को नहीं समझ पाते वही उसमें भेद करते हैं। महाराज ने कहा कि सनातन का अर्थ है जो शास्वत हो, सदा के लिए सत्य हो और जिसका कभी अंत नहीं होगा वही सनातन या शास्वत है। पूज्य महाराजश्री ने वर्तमान राजनीति पर कटाक्ष करते कहा कि दूषित राजनीति के कारण भारत की धर्मप्राण जनता भटक रही है। उन्होंने आगे कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में अपने से बड़ों को वंदन, नमस्कार करने से आयु, विद्या, यश और कीर्ति की वृद्धि होती है। अपने से बड़ों को आदर न देने वाले का सत्यानाश हो जाता है। वी.पी. सिंह ने बताया कि महाराज ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि जिन घरों में पितृों का पूजन और वृद्धों की सेवा की जाती है उस घर में पितृदेव का आशीर्वाद सदैव बना रहता है। उनके आशीर्वाद से धन, बल और यश की वृद्धि होती है। जिन घरों में संतान की उत्पत्ति नहीं हो रही वहां यदि पितृ पूजन और त्रिपिंडि श्राद्ध किया जाए तो पितृदोष समाप्त हो जाता है और सुयोग्य और संस्कारवान संतान की उत्पत्ति हो जाती है। कार्यक्रम के अंत में महाराज की आरती उतारी गई। उल्लेखनीय है कि काशीधर्म पीठ वैदिक और सनातन धर्म की रक्षा के लिए वैदिक संस्कृति को विश्वपटल पर प्रतिष्ठित करने का कार्य कर रही है। साथ ही संपूर्ण विश्व में सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है।

बार एसोसिएशन चुनाव सम्पन्न

चौधरी अध्यक्ष व यादव सचिव निर्वाचित

रोहित जैन. शाबाश इंडिया
नसीराबाद। बार एसोसिएशन नसीराबाद के शुक्रवार को सम्पन्न हुए चुनाव में सुखदेव चौधरी अध्यक्ष व मनोज यादव सचिव निर्वाचित हुए। चुनाव अधिकारी दिनेश मेहरा ने बताया कि 97 मतदाताओं में से 96 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। चुनाव अधिकारियों दिनेश मेहरा, सौरभ सेठी व राजेश लखन ने बताया कि अध्यक्ष पद पर त्रिकोणिय मुकाबले में सुखदेव चौधरी ने ललित नारायण मेहरा को 26 मतों से हराया। चौधरी को 53 मत, मेहरा को 27 मत व तीसरे प्रत्याशी राजेश सुकरिया को 13 मत मिले।एक मत खारिज हुआ व दो मतपत्र खाली निकले। उपाध्यक्ष पद पर कांटे का मुकाबला रहा। गोरधनलाल गुर्जर ने आशिष अजमेरा को 2 मतों से हराया। गुर्जर को 48 मत व अजमेरा को 46 मत मिले। सचिव पद पर मनोज यादव ने तारिक सुहैल को 22 मतों से हराया। यादव को 58 मत व सुहैल को 36 मत मिले। दो मतपत्र खाली निकले। सह सचिव पद पर कृष्णगोपाल शर्मा ने सुशील मौर्य को 20 मतो से हराया। शर्मा को 56 व मौर्य को 36 मत मिले दो मतपत्र खाली निकले। कोषाध्यक्ष पद पर रमेश रावत ने परमेश्वर सिंह रावत को 9 मतों से हराया। रमेश सिंह रावत को 51 मत व परमेश्वर सिंह को 42 मत मिले। 3 मतपत्र खाली निकले। पुस्तकालय अध्यक्ष पद पर पूर्व में राजेश गोमा निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए जा चुके हैं। वहीं कार्यकारिणी सदस्यों के 5 पदों में से दो पदों पर वसीम व ममता डाबरिया भी निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए जा चुके हैं तथा 3 पद रिक्त है।

विधायक महन्त श्री बालमुकुंद जी का अभिनंदन और जीव अहिंसा के कार्य की अनुमोदना एवं समर्थन किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। हवामहल विधान सभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित विधायक महन्त श्री बालमुकुंद जी का अभिनंदन और जीव अहिंसा के कार्य की अनुमोदना एवं समर्थन किया। मंत्री संजय गोधा ने बताया कि मंदिर प्रबंध समिति व जैन समाज के गणमान्य प्रतिनिधियों ने हवामहल विधानसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित विधायक महन्त श्री बालमुकुंद जी का उनके कार्यालय में मिलकर अभिनंदन किया और उनके द्वारा जीव हिंसा के विरोध में किये जा रहे उत्कृष्ट कार्यों का समर्थन व अनुमोदन किया। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष कमल दीवान, उपाध्यक्ष विनोद बिलाला, मंत्री संजय गोधा, सदस्य संतोष छाबड़ा, पाटौदी मंदिर के अध्यक्ष प्रकाश गंगवाल, मंत्री कमल बज , नवीन बिलाला सुधीर बिलाला, वीर कुमार जैन, बसंत जैन, सहित समाज के अनेक गणमान्यजन कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

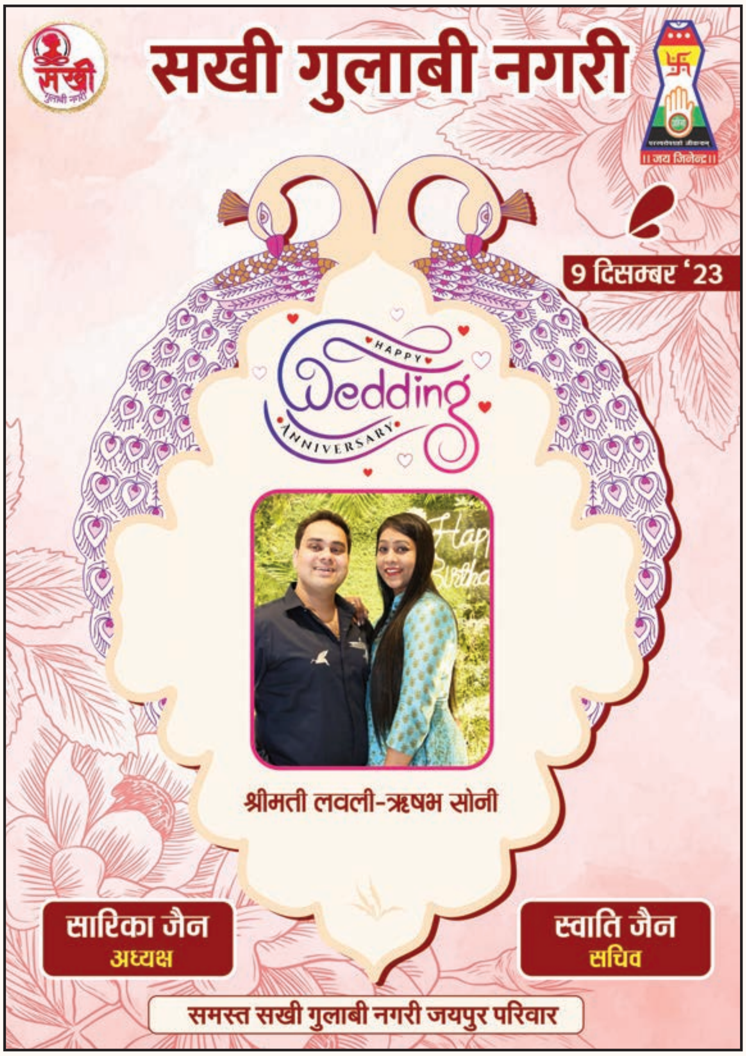

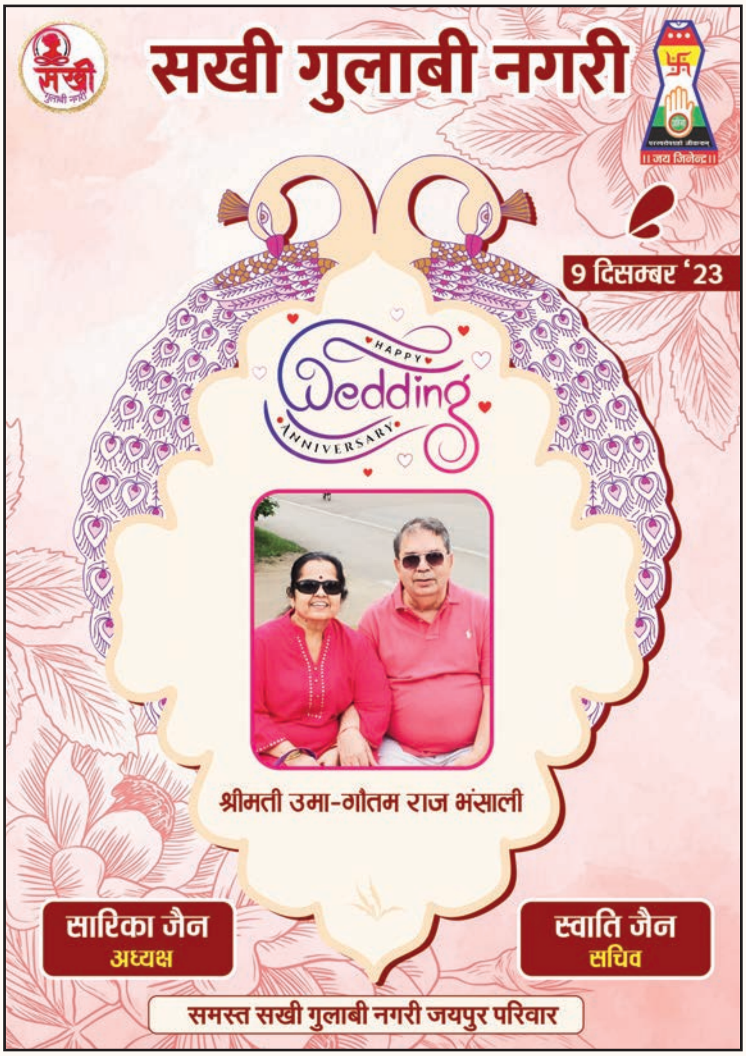

वेद ज्ञान

भूल से सीख

जब कोई मनुष्य भूल करता है तो यह अपेक्षा अवश्य की जाती है कि वह इससे सीखे और भविष्य में पुनरावृत्ति न करे। इसकी अपेक्षा पर कोई ही खरा उतरता है। समस्या यह है कि मनुष्य सदैव अपने को सही समझता है और उसके पास बताने को अपने कार्यों का कोई न कोई औचित्य होता ही है। सुधार का प्रश्न तो उस समय पैदा होता है, जब वह स्वीकार करे कि उसने कोई भूल की है। इसका मूल है मनुष्य का अहंकार। मनुष्य के आचरण के स्तर से नीचे गिरने के दो ही प्रमुख कारण होते हैं। एक कारण है अज्ञानता। अज्ञानता के कारण वह सीमित दायरे में सोचता है। उसे यह स्पष्ट नहीं होता कि उसके किसी भी कार्य का प्रभाव मात्र उसके तक ही सीमित नहीं रहता इससे समाज भी किसी न किसी रूप में प्रभावित होता है। दूसरा कारण मन में चल रहे विकार हैं। कोई भी कार्य जो काम, क्रोध, लोभ, और मोह व अहंकार के वशीभूत होकर किया जाए तो उसका कोई तर्क नहीं होता। ऐसे कार्य में सीधे तौर पर नीयत पर प्रश्न चिन्ह लगता है। अज्ञानता का संबंध मस्तिष्क से और विकारों का संबंध मन से है। मनुष्य के सद्जीवन के लिए शुद्ध मन और मस्तिष्क का होना अति आवश्यक है। यह परमात्मा की शरण में ही संभव है। ज्ञान मनुष्य तब ग्रहण करता है जब उसे अपनी अज्ञानता का बोध हो जाए। विकारों से दूरी वह उस समय बनाता है, जब अपनी सुप्त अंतर्चेतना को देख पाता है। ज्ञान और आत्म जाग्रति परम शक्ति की कृपा से ही संभव है। ज्ञानवान और अंतस में जाग्रत होना सिद्ध अवस्था है, किंतु इस राह पर चलना महत्वपूर्ण है। जब मनुष्य इस राह पर चलने का संकल्प धारण कर लेता है, तब उसके समक्ष स्वयं का और संसार का सच प्रकट होने लगता है। इस राह पर चलते हुए जब वह भूल करता है, तब उसे स्वीकार करने में कोई दुविधा नहीं सामने आती। त्रुटियां और विफलताएं मनुष्य के सामने आत्मावलोकन का एक सुयोग अवसर उपस्थित करती हैं। मन में ज्ञान की पिपासा और आत्म चेतना की इच्छाशक्ति हो तो मनुष्य भूलों से सीख लेकर अपने परिष्कार को तत्पर होता है। प्रत्येक भूल उसे एक कदम और आगे बढ़ने में सहायक होती है। भूलें और भूल की संभावनाएं धीरे-धीरे कम होती जाएं यह मनुष्य के आत्मिक विकास का बड़ा लक्षण है।

संपादकीय

एक के बाद एक तूफान अच्छे संकेत बिल्कुल नहीं...

मिचौंग चक्रवात जब तमिलनाडु के तट से 80-100 किलोमीटर दूर केंद्रित था और व्यापक असर डाल रहा था, तभी करीब 400 किलोमीटर दूर मेरे शहर बेंगलुरु में भी ठंडी-ठंडी हवा चलने लगी थी। 3 दिसंबर को चेन्नई में सबसे ज्यादा बारिश हुई, तो 3 और 4 दिसंबर को यहां भी रुक-रुककर बारिश होती रही, जबकि बेंगलुरु कर्नाटक का हिस्सा है। फिर जैसे-जैसे तूफान उत्तर की ओर बढ़ा, चित्तूर, कडपा, अन्नतपुरामु, अमरावती, नेल्लोर, रायलसीमा जैसे तमाम इलाकों में बारिश होने लगी। जिस तरह शुरूआत में तिरुवल्लूर, कांचीपुरम, पुडुचेरी जैसे तटीय इलाकों में मिचौंग का असर रहा, और बाद में यह सुदूर इलाकों में पहुंचा, वैसे ही अब कर्नाटक और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों के सुदूर इलाकों में बारिश हो रही है। वास्तव में, मानसून के बाद के मौसम, यानी ''पोस्ट-मानसून'' में बंगाल की खाड़ी में चक्रवात आते रहे हैं। हालांकि, यह अक्तूबर व नवंबर महीने में ज्यादा दिखता था, जबकि दिसंबर

में काफी कम। मगर अब दिसंबर में भी इनकी निरंतरता बढ़ सकती है, जिसकी एक बड़ी वजह है, सागर का गरम होना। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से समुद्रों में गरमी अवशोषित करने की क्षमता बढ़ गई है, ठीक हमारी आबोहवा की तरह, जो अब ज्यादा गरमी अवशोषित करने लगी है। इस कारण जब कभी चक्रवात या दबाव का क्षेत्र बनता है, तो समुद्री ऊर्जा उसे ज्यादा मारक बना देती है। इस बार पिछले एक महीने से बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र लगातार बन रहा था। अल-नीनो वर्ष में उत्तर-पूर्व मानसून के असामान्य होने की बात भी कही जा रही थी। इन सबका ही एक नतीजा मिचौंग चक्रवात है। तमिलनाडु में सिर्फ चेन्नई के इलाकों में 1 से 4 दिसंबर के बीच कई जगहों पर 50 से 60 सेंटीमीटर तक बारिश हुई, जो काफी ज्यादा है। इस तूफान ने मछुआरों के अलावा दक्षिण के किसानों को भी काफी नुकसान पहुंचाया है। यह खरीफ की कटाई का मौसम है। खेतों में धान की फसल अंत में हफ्ते-डेढ़ हफ्ते सूखने के लिए छोड़ दी जाती है। मगर इस तूफान ने धान की बालियों को जमीन पर गिरा दिया है। गोदावरी, कावेरी, कृष्णा, नेल्लोर जैसे आंध्र प्रदेश व तमिलनाडु के तटवर्ती इलाकों के डेल्टा क्षेत्र धान के लिए प्रसिद्ध रहे हैं। मगा यहां के किसानों के हाथ सिवाय मायूसी के कुछ भी नहीं है। इसी तरह, यहां नारियल, पपीता, केले, सब्जी और फूलों की भी काफी खेती होती है। विशेषकर कृष्णा, गोदावरी जिलों में इन फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है। अब तो तेलंगाना में भी किसानों को चक्रवाती बारिश चोट पहुंचा रही है। क्या ऐसे तूफानों से बचा जा सकता है? जाहिर है, सबसे पहले हमें जलवायु परिवर्तन से निपटना होगा और ऐसे उपाय करने होंगे कि ग्लोबल वार्मिंग कम से कम असरंदाज हो सके। कार्बन-उत्सर्जन का हरसंभव प्रबंधन करना होगा। मगर कुछ प्रयास तत्काल किए जा सकते हैं। मिसाल के तौर पर, चक्रवात के बनने का पूर्वानुमान, यानी साइक्लोजेनेसिस न सिर्फ समय पर प्रसारित हो, बल्कि निचले स्तर तक यह सूचना जाए।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

कश्मीर में बदलाव

जम्मू-कश्मीर के शासन-प्रशासन में सुधार का क्रम जारी है और इसी कड़ी में लोकसभा में दो संशोधन विधेयकों का पारित होना सुखद व स्वागतयोग्य है। देश के अनुरूप इस केंद्रशासित प्रदेश को मुख्यधारा में लाने के तमाम प्रयास जरूरी हैं। जम्मू एवं कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक के पारित होने से इस क्षेत्र के प्रतिनिधित्व में विस्तार होगा। कश्मीरी प्रवासी समुदाय के दो प्रतिनिधि और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से विस्थापित लोगों का भी एक प्रतिनिधि केंद्रशासित प्रदेश की विधानसभा में नामित किया जाएगा। यह बात छिपी नहीं है कि विगत वर्षों में बड़ी संख्या में लोग जम्मू-कश्मीर से पलायन करने को मजबूर हुए हैं। यह संख्या एक से तीन लाख तक बताई जाती है। पलायन करने वालों में पंडितों की संख्या सबसे ज्यादा है। जो एक बार घाटी से निकले, तो फिर लौट न पाए। बड़ी संख्या में ऐसे कश्मीरी पंडित हैं, जो कभी कश्मीर जाने की हिम्मत नहीं कर सके। ऐसे लोगों के बीच से जब प्रतिनिधि विधानसभा के लिए नामित होंगे, तो जाहिर है, वंचितों-शोषितों को एक आधिकारिक आवाज मिलेगी, अपनी विधानसभा में उनका दर्द भी दर्ज होगा। अत यह एक बड़ी जरूरी राजनीतिक-सामाजिक पहल है, इससे अलगाववादियों को भी मुंहतोड़ जवाब मिल सकेगा। इसके अलावा पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर का भी एक प्रतिनिधि जम्मू-कश्मीर विधानसभा में नामित होगा। जाहिर है, इसमें ऐसे कश्मीरी नेताओं को आवाज मिलेगी, जो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के हैं और कहीं बाहर रहने को मजबूर हैं। पाक अधिकृत कश्मीर को वापस लेने के संकल्प के मद्देनजर यह पहल महत्वपूर्ण है। वास्तव में, विधानसभा में कश्मीरी पंडितों और पाक अधिकृत क्षेत्र के कश्मीरियों की आवाज के बिना जम्मू-कश्मीर की बात पूरी नहीं होती थी। देखने में ये कदम छोटे लग सकते हैं, लेकिन इनका प्रभाव विशेष रूप से घाटी की राजनीति पर पड़ना तय है। अब यह सरकारों पर निर्भर करेगा कि जम्मू-कश्मीर की विधानसभा में योग्यतम प्रतिनिधित्व पहुंचे और शांति-समाधान की दिशा में काम करे। कोरी राजनीति से अलग कश्मीर के व्यापक हित के बारे में सोचने का समय है। वहां धीरे-धीरे सामान्य हो रही स्थितियों को हर प्रकार से सकारात्मक बल देना होगा। आंकड़े गवाह हैं और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूरे तथ्यों के साथ लोकसभा में बताया है कि पहले और आज के कश्मीर की जमीनी हकीकत में बहुत बदलाव आया है। कश्मीर में जनजीवन जैसे-जैसे सामान्य हो रहा है, उससे सरकार की भी उम्मीदें बढ़ रही हैं। साथ ही, जम्मू-कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक के जरिये कश्मीर में आरक्षण का वही स्वरूप हो जाएगा, जो बाकी देश में है। देश में एक विधान, एक निशान, एक प्रधान के अनुरूप ही आरक्षण में एकरूपता जरूरी है। पिछड़ी जातियों को आरक्षण का लाभ देना जरूरी है, ताकि चंद लोगों का परंपरागत वर्चस्व टूट जाए। कश्मीर में ही बड़ी संख्या में ऐसी जातियां रही हैं, जो आरक्षण या किसी भी प्रकार की विशेष सहूलियतों से वंचित हैं, ऐसी तमाम जातियों को विधिवत आरक्षण देकर आगे बढ़ाना कश्मीर के लिए लाभप्रद है। अब पिछड़े गांवों में रहने वाले सामाजिक और शैक्षिक रूप से वंचित लोगों व नियंत्रण रेखा के करीब रहने वालों को भी आरक्षण मिल सकेगा। जाहिर है, हम नए विकासशील कश्मीर की ओर बढ़ रहे हैं।

सेठ जगन्नाथ कपूरचन्द जैन मेमोरियल ट्रस्ट, झिलाय
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन, राज. रीजन, जयपुर
श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर

के संयुक्त तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर द्वारा

9वां निःशुल्क नेत्र जांच, लैंस प्रत्यारोपण एवं रक्तदान शिविर

सम्मान एवं समापन समारोह

सोमवार, 11 दिसम्बर 2023
प्रात: 9.30 बजे से

स्थान: श्री आदिनाथ भवन
मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर

शिविर सहयोगी संस्थाए

जैन सोश्यल ग्रुप महानगर, जयपुर * श्री आदिनाथ फाउण्डेशन, पटेल मार्ग, मानसरोवर, जयपुर
जैन सोश्यल ग्रुप राजधानी, जयपुर * सोश्यल एण्ड ब्लड एड सोसायटी, जयपुर
आदिनाथ मित्र मंडल, जयपुर * दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार, जयपुर

2013 से 2022 तक आयोजित 8 शिविरो में लगभग 8000 रोगियों की नेत्र जाँच एवं 1250 नेत्र लैंस प्रत्यारोपण ऑपरेशन डॉ. वीरेन्द्र लेजर, फेको सर्जरी सेन्टर, टोंक रोड, जयपुर पर करवाये गये हैं।

नेत्र जाँच एवं रक्तदान शिविर

शनिवार 09 दिसम्बर, 2023
प्रातः 9 बजे से 1 बजे तक
स्थान : राजकीय सीनियर सैकण्डरी स्कूल, झिलाय, तह. निवाई (टोंक)

झिलाय में आयोजित शिविर में लैंस प्रत्यारोपण के लिए चयनित रोगी शनिवार 09 दिसम्बर को सायं 5 बजे दिगम्बर जैन आदिनाथ भवन, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर लाये जायेंगे। रोगियों के ऑपरेशन रविवार 10 दिसम्बर 2023 को नवीन तकनीक व आधुनिक मशीनों द्वारा डॉ. वीरेन्द्र लेजर, फेको सर्जरी सेन्टर, टोंक रोड, जयपुर पर विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा किये जायेंगे। सोमवार 11दिसम्बर को प्रातः 11 बजे रोगियों को वापस झिलाय भिजवाया जायेगा।

सम्मान व समापन समारोह

सोमवार 11 दिसम्बर, 2023 प्रातः 9.30 बजे से
स्थान : श्री आदिनाथ भवन, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर

दीप प्रज्ज्वलनकर्ता	मुख्य अतिथि	अध्यक्षता
श्रीमान् प्रकाश जी अजमेरा अध्यक्ष, जैन सोश्यल ग्रुप, राजधानी	श्रीमान् सुरेन्द्र कुमार जी पाण्ड्या राष्ट्रीय महामंत्री, दिगम्बर जैन महासमिति	श्रीमान् यश कमल जी अजमेरा राष्ट्रीय कार्याध्यक्षः दि. जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन
गौरवमय अतिथि	गौरवमय अतिथि	गौरवमय अतिथि
श्रीमान् दिनेश जी गंगवाल प्रमुख वास्तुशास्त्री परामर्शकः दि. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर	श्रीमान् राजीव जी जैन संयुक्त सचिव जैन सोश्यल ग्रुप फेडरेशन नॉर्दन रीजन	श्रीमान् महेन्द्र कुमार जी रांवका प्रमुख समाजसेवी मानसरोवर
विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् सुनील जी पहाडिया संस्थापक अध्यक्ष जैन सोश्यल ग्रुप, राजधानी	श्रीमान् भागचंद जी बाकलीवाल लांगडियावास वाले प्रमुख समाजसेवी	श्रीमान् महावीर जी कसेरा प्रमुख समाजसेवी कसेरा टैंट एण्ड इवेंट

आयोजक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर

राकेश–समता गोदिका	सुरेन्द– मृदुला पांड्या	दर्शन– विनीता बाकलीवाल	दिनेश–संगीता गंगवाल	मनीष–शोभना लोंग्या	अनिल–अनिता जैन	अनिल–निशा संघी
अध्यक्ष	संरक्षक	संरक्षक	परामर्शक	कार्याध्यक्ष	कोषाध्यक्ष	सचिव

सुनील–सुनीता गोदिका	चक्रेश–पिंकी जैन	राकेश–रेणु संघी	विनोद–हेमा सोगानी	राजेश–रितु छाबड़ा	राजेश–रानी पाटनी	प्रदीप–प्राची बाकलीवाल	चेतन–डॉ.अनामिका पापडीवाल	कमल–मंजु ठोलिया	राजेन्द्र–कुसुम जैन
उपाध्यक्ष	उपाध्यक्ष	उपाध्यक्ष	उपाध्यक्ष	संगठन सचिव	संगठन सचिव	संयुक्त सचिव	संयुक्त सचिव	सांस्कृतिक सचिव	खेल सचिव

कार्यकारिणी सदस्य : अनिल–ज्योति चौधरी ✲ डॉ अनुपम–विनीता जैन ✲ सपन–रजनी छाबड़ा ✲ नितेश–मीनू पाण्ड्या विशेष आमंत्रित : अशोक–अर्चना पाटनी ✲ अशोक सेठी

शिविर सहयोगी

जैन सोश्यल ग्रुप महानगर, जयपुर
संजय छाबड़ा 'आवा' अध्यक्ष, प्रदीप जैन संस्थापक अध्यक्ष, सुनील जैन सचिव, रवि जैन संयोजक सामाजिक सेवा

सोश्यल एण्ड ब्लड एड सोसायटी, जयपुर
राकेश गोदिका अध्यक्ष, सुरेश जैन संस्थापक अध्यक्ष, राकेश संघी कोषाध्यक्ष, जय कुमार बडजात्या सचिव

श्री आदिनाथ फाउण्डेशन, 81/61 पटेल मार्ग, मानसरोवर
अनिता जैन प्रमुख न्यासी, नरेश कुमार जैन प्रबन्ध न्यासी

जैन सोश्यल ग्रुप राजधानी
प्रकाश–लीला अजमेरा अध्यक्ष, सुनील–आरती पहाडिया संस्थापक अध्यक्ष, पवन–रीटा पाटनी सचिव

आदिनाथ मित्र मंडल, जयपुर
सुनील जैन अध्यक्ष, राजेन्द्र बाकलीवाल मंत्री, मुकेश जैन कोषाध्यक्ष, साकेत जैन संयोजक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार, जयपुर
मोहनलाल गंगवाल अध्यक्ष, नवीन सेन जैन संस्थापक अध्यक्ष, सुरेश जैन बांदीकुई कार्याध्यक्ष, गिरीश कुमार जैन सचिव, कैलाश चन्द सेठी कोषाध्यक्ष

निवेदक

सेठ जगन्नाथ कपूरचन्द जैन मेमोरियल ट्रस्ट, झिलाय
के. एम. जैन अध्यक्ष, डॉ. पी. सी. जैन मंत्री, महावीर प्रसाद जैन संयोजक, राजेश जैन संयोजक, जितेन्द्र जैन संयोजक, प्रहलाद चौधरी संयोजक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन, राज. रीजन, जयपुर
राजेश बडजात्या अध्यक्ष, अनिल जैन संस्थापक अध्यक्ष, निर्मल संघी सचिव, यश कमल अजमेरा नि. अध्यक्ष, पारस कुमार जैन कोषाध्यक्ष

श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति
सुशील कुमार जैन अध्यक्ष, सुनील बैनाड़ा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, तेजकरण चौधरी उपाध्यक्ष, राजेन्द्र कुमार सेठी मंत्री, मनोज कुमार जैन संयुक्त मंत्री, लोकेन्द्र कुमार जैन कोषाध्यक्ष, अशोक कुमार सेठी संगठन मंत्री, जम्बू कुमार सोगणी सांस्कृतिक मंत्री

खाचरियावास में भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव 13 दिसंबर से

तीन दिवसीय धार्मिक आयोजन की तैयारियों में लगा खाचरियावास जैन समाज।
आर्यिका नंदीश्वरमति माताजी ससंघ के सानिध्य में होगा आयोजन

अर्पित जैन. शाबास इंडिया

भैंसलाना। क्षेत्र के खाचरियावास में 13 दिसंबर से से 15 दिसंबर तक भगवान महावीर स्वामी दिगंबर जैन मंदिर में भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित होगा।कार्यक्रम को लेकर जैन समाज खाचरियावास तैयारियों में जुटा हुआ है।खाचरियावास जैन समाज के अध्यक्ष प्रदीप गंगवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि जयपुर और कुचामन जिलों की सीमा के पास और सीकर जिले में बसा प्राचीन गांव खाचरियावास में महावीर स्वामी दिगंबर जैन मंदिर में आचार्य विद्यासागर जी महाराज और मुनि पुंगव सुधासागर जी महाराज के आशीर्वाद से भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन 13 दिसंबर से 15 दिसंबर 2023 तक किया जायेगा। कार्यक्रम में आचार्य 108 श्री भरतसागर जी महाराज की परम प्रभाविका शिष्या बालयोगिनी, सरल स्वभावी प. पू.आर्यिकारत्न श्री 105 नंदीश्वरमति माताजी ससंघ के सानिध्य में उत्साह और धर्म प्रभावना के साथ आयोजित होगा। इस दौरान आर्यिका नंदीश्वरमति माताजी के संघस्थ बा.ब दीपा दीदी और डॉ करुणा दीदी और प्रतिष्ठाचार्य प.डॉ सनतकुमार जैन के निर्देशन में कार्यक्रम आयोजित होगा। वही भक्तिमय संगीत हेतु संगीतकार राकेश जैन एंड पार्टी इंदौर रहेगी। झंडारोहण मोहनीदेवी, शांतिदेवी, गुणसागर प्रेमदेवी ठोलिया परिवार रेनवाल और पांडाल पुण्यार्जक एवं उदघाटन टीकमचन्द मालचंद गंगवाल नलबाड़ी द्वारा किया जाएगा।भोजन पुण्यार्जक मोहनलाल कुन्दनमल सेठी परिवार खाचरियावास रहेंगे।

भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव में यह रहेगा मांगलिक कार्यक्रम

बुधवार 13 दिसंबर 2023 को प्रातः 6:15 बजे से श्रीमदि्जनेंद्र अभिषेक, शांतिधारा, देवाज्ञा, सकलीकरण, इंद्रप्रतिष्ठा जिसके बाद ध्वजारोहण, आर्यिका माताजी के प्रवचन, महावीर स्वामी का विधान पूजन, शाम को महाआरती और उसके बाद संगीतमय भक्तांमर अनुष्ठान।गुरुवार 14 दिसंबर को सुबह अभिषेक,शांतिधारा जिसके बाद घटयात्रा,वेदी एवम शिखर शुद्धि संस्कार,आर्यिका माताजी के प्रवचन, दोपहर में यागमंडल विधान पूजन और हवन और शाम को महाआरती और उसके बाद इंद्रसभा का आयोजन होगा।तीसरे दिन 15 दिसंबर को सुबह अभिषेक, शांतिधारा, नित्य नियम पूजा, आर्यिका माताजी का प्रवचन और जिसके बाद श्री जी को नगर भ्रमण एव शोभायात्रा निकाली जायेगी जिसके बाद श्रीजी वेदी में विराजमान, शिखर कलशारोहण, ध्वजारोहण होगा।

कार्यक्रम में इंद्र इंद्राणीयां

आयोजित होने वाले कार्यक्रम में सोधर्म इंद्र अशोक कुमार निर्मला देवी गंगवाल,धन कुबेर ताराचंद-कंचनदेवी बड़जात्या,यज्ञनायक मनोहरकुमार -विमलादेवी बड़जात्या, ईशानइंद्र अशोककुमार -पिंकीदेवी बड़जात्या, सानंतकुमार इंद्र कुन्दनमल-रविकांता बड़जात्या, माहेद्रइंद्र अजितकुमार-मंजुदेवी गंगवाल, ब्रह्मइंद्र विजयकुमार बबिता बड़जात्या सहित अन्य इंद्र इंद्राणीयां रहेंगे।

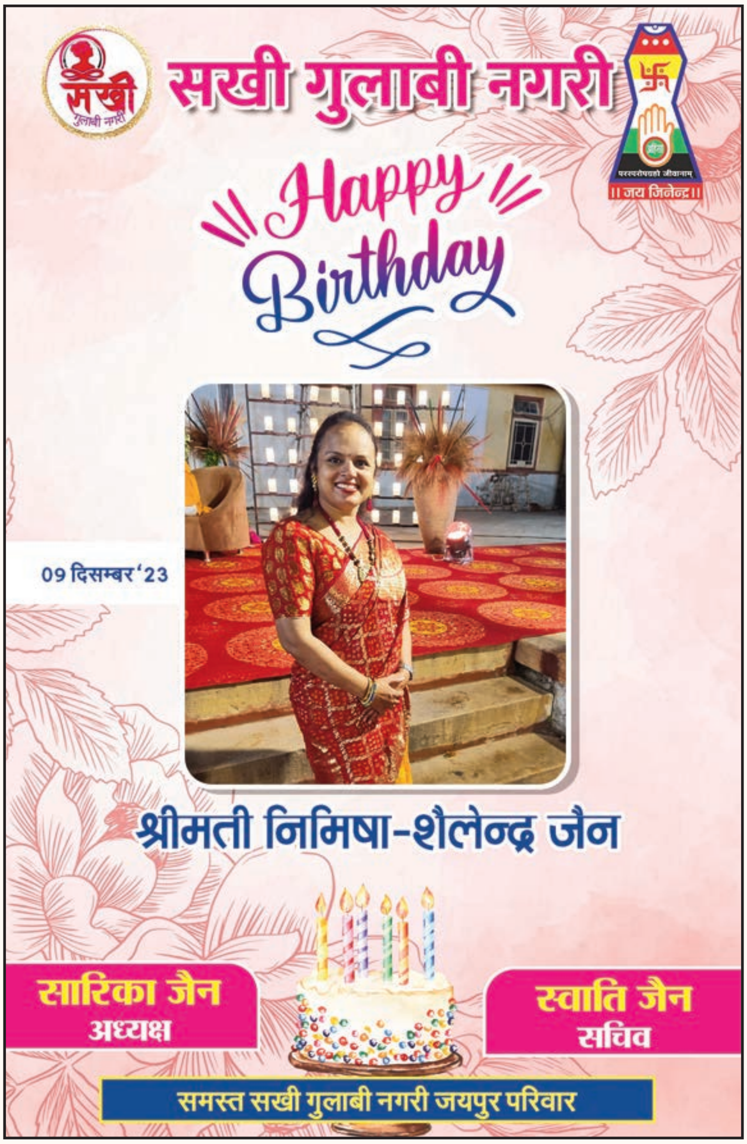

राजकीय चिकित्सालय वीरा द्वारा बेबी किट वितरण

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

सबको प्यार सबकी सेवा जीवों और जीने दो के उद्देश्य से चलने वाली संस्था महावीर इंटरनेशनल संस्था वीरा द्वारा दिनांक 8/12/23 को स्वस्थ बच्चा स्वस्थ जंच्चा स्वस्थ कड़ाके कि ठंड व मोसमी बिमारियों के बचाव हेतु हाईजेनिक बेबी किट राजकीय चिकित्सालय में सुबह 11 बजे नवजात शिशुओंको चिकित्सालय पी एम औ डाक्टर प्रहलाद बाजियां, डाक्टर मनोज मित्तल, डाक्टर शिवपाल मुड़,जोली नर्स मंजू नर्स सानिध्य में वितरित किए। मरीजों को फल बिस्कुट संस्था के अध्यक्ष वीरा सरोज पाटनी, मंजु बड़जात्या, विजयकोर, नंदकिशोर विंडसर, अनीता, नीलम काला, मनीषा, कल्पना पहाड़ियां, सीता, अशोक गंगवाल, रामावतार गोयल सचिव वीर अजित पहाड़ियां, नरेश झाझरी तेजकुमार बड़जात्या ने वितरण कर सेवा कार्यों मे सहयोग किया। संस्था के गवनिर्ग कोसिल मेम्बर वीर सुभाष पहाड़ियां ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। **संकलन: वीर अजित पहाड़ियां**

''दिलों में राज करेंगे जूनियर महमूद''

शाबाश इंडिया। जूनियर महमूद इनका नाम जब भी सुनते हैं तो इनकी वो बाल छवि सामने आ जाती है। बेहद खुश मिजाज इंसान थे जूनियर महमूद जी। इन्होंने बाल कलाकारों में अपनी एक उम्दा पहचान बनाई और खुद एक दिग्गज कलाकार के रूप में कई दिग्गज कलाकारों के साथ इन्होंने काम किया था। कैंसर से जूझ रहे दिग्गज अभिनेता जूनियर महमूद का गुरुवार रात 67 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने मुंबई में अपने घर पर आखिरी सांस ली। जूनियर महमूद ने उस दौर में तकरीबन सभी सितारों के साथ लगभग 265 फिल्मों में काम किया। जूनियर महमूद की परवरिश एक बहुत ही साधारण परिवार में हुई। उनका जन्म 15 नवंबर 1956 को मुंबई की वडाला रेलवे कालोनी में हुआ। उनके पिता मसूद अहमद सिद्दीकी रेलवे में इंजन ड्राइवर का काम किया करते थे और उन्होंने उनका नाम मोहम्मद नईम सैय्यद रखा। उनके कैरियर की शुरूआत उनके बड़े भाई के शौक से हुई। बड़े भाई मोहम्मद बिलाल फिल्मों में स्टिल फोटोग्राफी करते थे। वह मिमिक्री आर्टिस्ट भी कमाल के थे और उनको एक्टिंग का बहुत शौक था। जब वह शूटिंग से आते थे तो सभी एक्टर्स के बारे में बातें करते थे। उनकी बातें सुनकर वे सोचा करते थे कि उन्हें कब इन सितारों से मिलने का मौका मिलेगा। और, एक दिन उन्होंने अपने बड़े भाई से कहा कि कभी मुझे भी शूटिंग दिखाने के लिए ले चलो। बस फिर वहीं से उनकी किस्मत में चार चाँद लग गए। एक बाल कलाकार अपने डायलॉग बार बार भूल रहा था। उसे जूनियर महमूद ने चुटकियों में बोल गए। एक ही शॉट में उन्होंने कमाल का डायलॉग बोला तो सब ताली बजाये बिना नहीं रह सके। और उन्हें अपने कार्य के पाँच रुपये मिले जो उस जमाने में बहुत ज्यादा होते थे। उस समय वो आठ साल के थे। हम काले है तो क्या हुआ दिलवाले है। इस गाने में उन्होंने डांस करके इंडस्ट्री में अपनी एक पहचान बना लिए। महमूद जी ने अपने नाम से ही जूनियर महमूद नाम दिया। और जूनियर महमूद को महमूद जी ने अपना शागिर्द बना लिया। साल 1968 में शम्मी कपूर और मुमताज के साथ फिल्म 'ब्रह्मचारी' में काम करने का उन्हें मौका मिला। ब्रह्मचारी फिल्म से उन्हें बड़ी पहचान मिली। इसके बाद 'दो रास्ते', 'आन मिलो सजना', 'कटी पतंग', 'हाथी मेरे साथी' और 'कारवां' जैसी कई फिल्मों में उन्होंने काम किया।उनकी ज्यादातर फिल्में सिल्वर जुबली रहीं। जूनियर महमूद हमेशा दिलों में राज करते रहेंगे।

पूजा गुप्ताः मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)

6 माह 3 दिन के बाद हुआ गुरु शिष्या का महामिलन: गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी (राज.) में विराजित गणिनी आर्यिका रत्न विज्ञाश्री माताजी की संघस्थ आर्यिका माताजियों का लंबे समय के बाद अपनी गुरु माँ से महामिलन हुआ। सभी आर्यिका माताजी की गुरु मिलन की खुशी में आंखों से अश्रुधारा बह निकली। गुरु शिष्य का यह मिलन बहुत ही भावुक सभी माताजियों ने पूज्य गुरु मां के पाद - प्रक्षालन किये। सवाईमाधोपुर , जयपुर , निवाई , चाकसू आदि स्थानों से पधारे हुए सभी गुरु भक्तों ने गुरु - शिष्या के इस अद्भुत मिलन के पल को देखकर अपने पुण्य की सराहना करते हुए गुरु मां की जय - जयकार की। पूज्य माताजी ने वात्सल्य भाव से सभी को

आशीर्वाद दिया। पूज्य माताजी ने सभी को मंगल उद्बोधन देते हुए कहा कि - जिस तरह मछली नीर के बिना नहीं रह सकती उसी प्रकार एक शिष्य की भी यही स्थिति है वह भी अपने गुरु के बिना नहीं रह सकते । जिस प्रकार भगवान ने गुरु की ओर संकेत कर उन्हें स्वयं से श्रेष्ठ बताया, उसी तरह माता-पिता भी गुरु को अपने से श्रेष्ठ मानते हैं। वास्तव में माता-पिता तो जन्म देकर पालन-पोषण करते हैं, लेकिन किसी को आदर्श मनुष्य का आकार देने वाला तो गुरु ही है। गुरु संसार की श्रेष्ठ पदवी है, जो अपने शिष्य को सर्वोत्तम बनाने के धर्म का निर्वहन करता है। केवल गुरु-शिष्य संबंध ही आध्यात्मिक संबंध है, क्योंकि गुरु ही ईश्वर का मार्ग दिखाता है। गुरु ही जीवन का रहस्य बताता है। गुरु ही मानव के जीवन से जुड़े लक्ष्य भेद को सिद्ध कराने में समर्थ हो सकता है। जिस भी साधक ने गुरु की महिमा को आत्मसात किया, वह भवसागर से पार हो गया। शरीर व आत्मा का तत्व दर्शन, जीव की मीमांसा, ईश्वर की खोज और संसार का आश्रय गुरु के मार्गदर्शन से ही संभव है। आत्मोद्धार के पथिक गुरु महिमा से पूर्ण सफलता पाते हैं।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा नेत्र जांच एवम रक्तदान शिविर आज झिलाय ग्राम में

प्रातः 9बजे से 1बजे तक होगा आयोजन

चयनित रोगियों का रविवार, 10 दिसंबर को होगा नेत्र लैंस प्रत्यारोपण

जयपुर. शाबाश इंडिया

दगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा सेठ जगन्नाथ कपूरचंद जैन मेमोरियल ट्रस्ट झिलाय के सौजन्य से दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर एवम श्री आदिनाथ दिगंबर जैन समिति मीरा मार्ग, मानसरोवर जयपुर के तत्वावधान में शनिवार, 9 दिसंबर को ग्राम झिलाय तहसील निवाई में एक विशाल नेत्र जांच शिविर एवम रक्तदान शिविर का आयोजन प्रातः 9 से 1बजे तक आयोजित किया जायेगा। सन्मति ग्रुप के अध्यक्ष राकेश - समता गोदिका ने बताया कि शनिवार को आयोजित शिविर में चयनित नेत्र रोगियों के लैंस प्रत्यारोपण के लिए उन्हें उसी दिन सायकाल मीरा मार्ग मानसरोवर जयपुर स्थित आदिनाथ भवन में लाया जायेगा। रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या व मंत्री निर्मल संघी ने बताया कि सभी रोगियों के लैंस प्रत्यारोपण रविवार 10 दिसंबर को वीरेंद्र लेजर फेको आई हॉस्पिटल टोंक रोड पर किए जायेंगे। सन्मति ग्रुप के कार्याध्यक्ष मनीष - शोभना लोंग्या व सचिव अनिल - निशा संघी के अनुसार सभी रोगियों को सोमवार , 11दिसंबर को प्रातः भोजन के पश्चात डॉक्टरों द्वारा नेत्र जांच व चश्मे वितरित किए जायेंगे तत्पश्चात उन्हें वापस झिलाय ग्राम भिजवाया जायेगा। शिविर आयोजक सेठ जगन्नाथ कपूर चंद जैन मेमोरियल ट्रस्ट झिलाय के डॉक्टर पी सी जैन ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा अभी तक लगभग 1250रोगियों के लैंस प्रत्यारोपण करवाए जा चुके हैं । आदिनाथ मित्र मंडल के अध्यक्ष सुनील जैन व मंत्री राजेंद्र बाकलीवाल ने बताया कि मानव सेवार्थ आयोजित रक्तदान शिविर में सभी को यातायात अवेयरनेस के लिए उन्हें आई एस आई मार्का हेलमेट स्मृति स्वरूप भेट किए जायेंगे। शिविर सयोजक अनिल -प्रेमा रावका एवम राकेश - रेणु संघी के अनुसार जैन सोश्यल ग्रुप राजधानी, जैन सोश्यल ग्रुप महानगर, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार, आदिनाथ मित्र मंडल, सोश्यल एंड ब्लड एड सोसायटी एवम आदिनाथ फाउंडेशन के सहयोग से यह शिविर आयोजित किया जा रहा हैं।

200 तीर्थ यात्रियों के दल ने आज श्री पांवागढ दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र पर वन्दना कर धर्म लाभ प्राप्त किया

पांवागढ़ /गुजरात. शाबाश इंडिया। गुजरात में जैन धर्म के पावन सिद्ध क्षेत्र सिद्धों की पावन भूमि गिरनार पर्वत पर महावीर प्रसाद, विनोद कुमार , कैलाश चंद पाटनी परिवार उरसेवा निवासी की अगुवाई में गये 200 यात्रियों का दल प्रातः काल आज सोनगढ़ से रवाना होकर श्री पांवागढ दिगम्बर जैन सिद्ध श्रेत्र पर वन्दना हेतु पंहुचा, जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने उक्त जगह की जानकारी देते हुए बताया कि सभी साधर्मी बन्धुओं ने कार्यक्रम प्रातः तलहटी पर स्थित महावीर जिनालय में दर्शन कर पूजा अर्चना सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करते हुए जयकारों के साथ वन्दना हेतु पांवागढ सिद्ध क्षेत्र पर प्रस्थान किया। कार्यक्रम में यात्रा संयोजक केलास पाटनी ने बताया कि सभी साधर्मी बन्धु उड़न खटोले में बैठ कर पावन सिद्ध क्षेत्र पर पहुंचे, जहां से पैदल चलकर सबसे पहले चंद्रप्रभु मंदिर में प्राचीन जिन प्रतिमाओं के दर्शन कर धर्म लाभ प्राप्त किया, श्री पाटनी ने बताया कि यहां पर दिगम्बर जैन सम्प्रदाय के विशाल एवं प्राचीन सात मंदिर है , जिसमें सुपार्श्वनाथ भगवान का जिनालय है जो सबसे विशाल एवं प्राचीन मंदिर है जिसमें मूलनायक जैन धर्म के सातवें तीर्थंकर सुपार्श्वनाथ भगवान की अलौकिक जिन प्रतिमा है , दूसरा लव- कुश चरण पादुका का दिगंबर जैन मंदिर है जहां से मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री रामचन्द्र जी के दोनों पराक्रमी राजकुमार लव- कुश दीक्षा ग्रहण करने के पश्चात क्रमश श्री अनंगलवण एवं श्री मदनांकुश ने पांवागढ पर्वत पर से निर्वाण गति को प्राप्त किया था। तीसरा शांति नाथ भगवान का मंदिर है जिसमें जैन धर्म के 16 वें तीर्थंकर शांति नाथ भगवान विराजमान हैं, चतुर्थ चंद्रप्रभुजी भगवान का मंदिर है जिसमें जैन धर्म के आठवें तीर्थंकर चंद्र प्रभु भगवान विराजमान है, तथा पहाड़ की अंतिम टोंक पर चिंतामणि पार्श्वनाथ भगवान, पार्श्वनाथ भगवान, तथा आदिनाथ भगवान की सुंदर मनमोहक जिन प्रतिभाएं विद्यमान हैं।

तीये की बैठक

हमारे पूजनीय

अरुण कुमार पाटनी

मेजर (रिटायर्ड)

(पुत्र स्व. श्री अमर चन्द जी स्व. श्रीमती शकुन्तला जी पाटनी)

का आकस्मिक निधन 8 दिसम्बर 2023 को हो गया है।

तीये की बैठक 10.12.2023 को प्रातः 11 बजे भट्टारकजी की नसिया, (तोतूका सभा भवन), नारायण सिंह सर्कल, जयपुर पर होगी। तत्पश्चात् घड़ियों का दस्तूर होगा। यह अंतिम बैठक होगी।

शोकाकुल

मीना (धर्मपत्नी), नवीन–रमा (भाई–भाभी), मुदित–रुचि (पुत्र–पुत्रवधु),
मेघना–वीरेन्द्र (पुत्री–पुत्रीदामाद), मेघा, रियाना (पौत्री), अनन्या, अर्जुन (दोहिती–दोहिता),
पुनीत–दीपाली, राजेन्द्र–सीमा, विकास–संगीता (भतीजा–भतीजाबहू),
सुरभि–जयरथ, रीना–मेधावी (भतीजी–भतीजीदामाद),
सुशीला तोतूका (धर्मपत्नी स्व. श्री राजकुमारजी तोतूका), अंजू–कमल (बहन–बहनोई)
एवं समस्त पाटनी दारोगा परिवार।
ससुराल पक्ष : मृदुला–कान्तिराम गुप्ता, मधुनिगम (दिल्ली निवासी)

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक–ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई–मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

संगिनी जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ का गेट टू गेदर कार्यक्रम संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। संगिनी जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ का दिनांक 8 दिसंबर 2023 को आपणो गांव सीकर रोड पर कार्यक्रम संपन्न हुआ। अध्यक्ष किरण झंझरी एवं सचिव विजया काला ने बताया कि 48 संगिनी सदस्यों ने Twins theme मे विभिन्न रोचक एवं अनोखी ड्रेस में मनमोहक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम संयोजक ऋषिका जैन द्वारा आकर्षक हाउजी खिलाई एवं पारितोषिक भी प्रदान किए। कार्यक्रम में अंजना गंगवाल उपाध्यक्ष ,नूपुर जैन संयुक्त मंत्री संगीता जैन कोषाध्यक्ष एवम अन्य सदस्य गण उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल एवम रोचक बनाने में सभी सदस्यों ने सहयोग दिया।

चुनाव आयोग का अलर्ट, 1 जनवरी तक जुड़वा सकेंगे मतदाता सूची में नाम

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसके तहत मतदाता सूचियों के लिए विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम चलाया जाएगा। मताधिकार से वंचित लोगों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का अवसर दिया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने गुरुवार को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ सचिवालय में बैठक कर पुनरीक्षण कार्यक्रम की जानकारी दी। एक जनवरी तक पात्र लोग नाम जुड़वा सकेंगे। 20 दिसंबर से 5 जनवरी तक पुनरीक्षण पूर्व गतिविधियां संचालित की जाएंगी। इसमें मतदान केन्द्रों का पुनर्गठन, मतदाता सूचियों एवं वोटर आइडी की विसंगतियो को दूर करना तथा मतदाता सूची में मतदाताओं की इमेज क्वालिटी में सुधार करने का काम शामिल है। यह कार्यक्रम करणपुर विधानसभा क्षेत्र को छोड़ अन्य सभी क्षेत्रों में चलेगा। मतदाता सूचियों के प्रारूप का प्रकाशन 6 जनवरी को किया जाएगा। दावे एवं आपत्तियां 6 जनवरी से 22 जनवरी तक प्राप्त किए जाएंगे। ऐसे में 2 फरवरी तक दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा एवं मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन 8 फरवरी को किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने गुरुवार को राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ सचिवालय में बैठक कर उन्हें भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित मतदाता सूचियों के विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

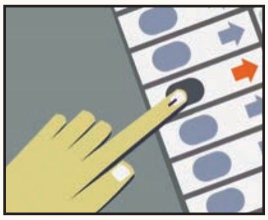

ताज के साए में खिरी मुनिपुंगव श्रीकी मंगल वाणी : मुनिश्री की मंगल वाणी

सुनने के लिए उमड़ा भक्तों का जनसैलाब

आगरा. शाबाश इंडिया

8 दिसंबर को आचार्य विद्यासागर जी महाराज के शिष्य निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज के दिव्य समवशरण पहली बार ताजगंज स्थित ताजमहल के निकट ताजखेमा पर आयोजित हुओ भक्तों ने सर्वप्रथम मुनिश्री के मंगल सानिध्य में श्रीजी की सभी प्रतिमाओं का अभिषेक एवं वृहद शांतिधारा संपन्न की सर्दी की ठिठुरती ठंड में जब दिगम्बर के तेज के साथ मुनिपुंगवश्री सुधासागर जी महाराज ने आगरा के ताजखेमा प्रांगण के प्रवेश किया तो मानों खुद ताजमहल भी राग की धुंध में झुपता सा नजर आयो मुनिपुंगवश्री सुधासागर जी महाराज की गर्जना गूंजी तो ताजमहल भी गुरुवर के वीतरागी स्वरूप को देख धुंधला हो गया। हजारों गुरूभक्तों का सैलाब और ताज के साए में खिरती दिव्य वाणी का ये नजारा भव्य समवशरण से कम न था। मुनिश्री के दिव्य समोशरण का शुभारंभ ताजगंज बालिका मंडल ने भक्ति गीत पर नृत्य कर मंगलाचरण की प्रस्तुति के साथ कियो इस दौरान ताजगंज मंदिर समिति महामंत्री संजय जैन जी परिवार के सदस्यों ने मुनिपुंगव श्री के चरणों का पाद प्रक्षालन किया। साथ ही प्रथम जिनवाणी दान

करने का सौभाग्य साकेत कॉलोनी निवासी एकता गर्ग अग्रवाल, दूसरी योगेश जैन, तीसरी राजाखेड़ा निवासी प्रवीन जैन एवं विभिन्न स्थानों से आए महानुभावों ने शास्त्र भेंट किए। इस अवसर पर दिव्य समवशरण में आए अतिथियों का ताजगंज मंदिर कमेटी की ओर से स्वागत सम्मान किया गया। इसी उपरांत संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र का अनावरण कर दीप प्रज्जवलन किया। इसके बाद दिव्य समवशरण में विराजमान मुनिपुंगवश्री ने मंगल प्रवचन में कहा कि रंग अरंग शब्द एक दूसरे के विरोधी शब्द हैं, लेकिन सृष्टि के निर्माता भी हैं।

रिपोर्ट शुभम जैन

उपाध्याय श्री उर्जयन्त सागर जी मुनिराज का मंगल प्रवेश दिगम्बर जैन मंदिर पार्श्वनाथ जी सोंनियान में 10 दिसंबर को

जयपुर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य वात्सल्य रत्नाकर आचार्य श्री 108 विमल सागर जी महाराज के अंतिम दीक्षित शिष्य 108 उपाध्याय श्री उर्जयन्त सागर जी मुनिराज और 105 छुल्लक श्री उपहार सागर जी महाराज ससंघ रविवार दिनांक 10 दिसंबर 2024 को दोपहर बाद 2.00 बजे संकट हरण पार्श्वनाथ मंदिर आमेर से मंगल विहार कर पुराना रामगढ मोड़ बस स्टैंड से तीनों जैन नसियां के दर्शन करते हुए श्री दिगम्बर जैन मंदिर पार्श्वनाथ जी सोनियान, खवासजी का रास्ता जयपुर में सायंकाल 5.00 बजे मंगल प्रवेश होगा।